ॐ जय श्री शनिदेवा | By Tripti Shakya |

ॐ जय श्री शनिदेवा
स्वामी जय श्री शनिदेवा
सबसे आप शिरोमणि
मानत सब देवा
ॐ जय श्री शनिदेवा

सभी ग्रहों में बढ़कर
महिमा अति भारी
सूर्यपुत्र कहाओ
मानत संसारी
ॐ जय श्री शनिदेवा

क्रोध दशा भुगताने
छार छार करता
राजी हो भुगताओ
सब ही दुख हरता
ॐ जय श्री शनिदेवा

विक्रमादित्य राजा
भूल करी भारी
साढ़ेसाती भुगताई
कर दिया दुख हारी
ॐ जय श्री शनिदेवा

सबसे आप प्रबल हैं
महिषा असवारी
धन संपत्ति को देकर
कर दो सुखकारी
ॐ जय श्री शनिदेवा

शनिवार है वार आपका
पूजत नर नारी
दान मान सब करते
प्रेम सहित भारी
ॐ जय श्री शनिदेवा

शनिदेव की आरती
जो कोई नर गावे
ग्रह छाया दूर होकर
विपत्ति नहीं आवे
ॐ जय श्री शनिदेवा

नहीं मानता यदि कोई
तो रुष्ट आप होते
भक्त आपका हो तो
पुष्ट आप होते
ॐ जय श्री शनिदेवा

गाऊँ गुण सदा आपके
कृपा आप कर दे
सभी भक्त जन दास को
ऋद्धि सिद्धि भर दे
ॐ जय श्री शनिदेवा

ॐ जय श्री शनिदेवा
स्वामी जय श्री शनिदेवा
सबसे आप शिरोमणि
मानत सब देवा
ॐ जय श्री शनिदेवा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-tripti-shakya/